वर्ष 2020 तक पोषण सुरक्षा हेतु खाद्य सुरक्षा आवश्यक–डा. बिष्ट

पंतनगर। 20 नवम्बर, 2009। विष्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने खाद्य एवं पोषण की बढ़ती आवष्यकता को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा की आवष्यकता पर बल दिया। डा. बिष्ट ने संत लोंगोवाल अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान लोंगवाल, पंजाब, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'जैव अभियांत्रिकी खाद्य : रणनीति एवं सम्भावनाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए उक्त विचार व्यक्त किये।

अपने उद्धाटन सम्बोधन में डा. बिष्ट ने खाद्य एवं पोषण की बढ़ती हुई माँग को वर्ष 2020 तक पूरा करने हेतु खाद्य सुरक्षा की आवष्यकता पर बल देते हुए कहा कि पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन हेतु आनुवांषिक रूप से सम्बर्धित तकनीकी, जैव तकनीकी एवं जैव अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सार्थक तकनीकी परिवर्तन एवं विकास की आवष्यकता है। डा. बिष्ट ने वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए लम्बे समय में नई तकनीकों के द्वारा उत्पादित खाद्यानों एवं खाद्य पदार्थों की जाँच की सख्त आवष्यकता तथा खाद्य सुरक्षा हेतु नई तकनीकी एवं प्रोटोकाल विकसित करने का आहवान किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देष के विभिन्न विख्यात संस्थानों से आये प्रख्यात वैज्ञानिकों ने सहभागिता की तथा संस्थान के निदेषक डा. वी. साहनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।